

मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए पूरी सावधानी बरतने पर बल दिया

अनलॉक का मतलब स्वतन्त्रता नहीं : मुख्यमंत्री

08 जून, 2020 से अनुमन्य की जाने वाली गतिविधियों के प्रोटोकॉल के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश जारी किए जाएं

15 से 30 जून, 2020 के मध्य से 01 करोड़ मानव दिवस प्रतिदिन सृजित करने की कार्य योजना बनाई जाए

नगर विकास विभाग तथा ग्राम्य विकास विभाग स्ट्रीट वेंडरों को पी०एम० पैकेज के साथ जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराने का एक मॉडल तैयार करें प्रधानमंत्री के विशेष आर्थिक पैकेज के प्राविधानों के अनुरूप श्रमिकों के लिए किफायती किराए पर सुरक्षित एवं सुविधायुक्त आवास की व्यवस्था की जाए

राज्य सरकार की मंशा है उ०प्र० के नव निर्माण में प्रदेश में आए कामगारों/श्रमिकों का योगदान लिया जाए

सभी जनपदों में कामगारों/श्रमिकों को रोजगार सुलभ कराने के लिए सॉफ्टवेयर विकसित किया जाए

निगरानी समितियों को निरन्तर सक्रिय रखा जाए

यह सुनिश्चित किया जाए कि कोरोना संदिग्ध व्यक्ति को क्वारंटीन सेन्टर में रखें, कोरोना पॉजिटिव मरीज का उपचार कोविड अस्पताल में ही हो

आगरा, मेरठ, अलीगढ़, कानपुर तथा फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेजों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

गौ-आश्रय स्थलों पर गौवंश के लिए सभी आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाएं

ग्रामीण तथा शहरी इलाकों में सेनिटाइजेशन का कार्य लगातार किया जाए

लखनऊ : 06 जून, 2020

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए पूरी सावधानी बरतने पर बल देते हुए कहा कि अनलॉक का मतलब स्वतन्त्रता नहीं है। उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सार्वजनिक स्थानों पर 05 से अधिक लोग एकत्र न हों। पुलिस द्वारा प्रभावी पेट्रोलिंग करते हुए भीड़ को एकत्र होने से रोका जाए।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कन्टेनमेंट जोन के बाहर के क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से छूट प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। इसके तहत 08 जून, 2020 से विभिन्न गतिविधियों को छूट प्रदान की जानी है। उन्होंने अपर मुख्य सचिव गृह को निर्देशित किया कि वे अनुमत्य की जाने वाली इन गतिविधियों के प्रोटोकॉल के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश जारी करें।

मुख्यमंत्री जी ने 15 जून से 30 जून, 2020 के मध्य से 01 करोड़ मानव दिवस प्रतिदिन सृजित करने के लिए एक कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी सम्बन्धित विभाग अपनी गतिविधियों और कार्यों को चिन्हित करें। इस अवधि में कृषि, उद्यान, वन विभाग द्वारा पौध रोपण के लिए गड्ढा खोदने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण की योजना, चेक डैम निर्माण, जल जीवन मिशन से जुड़े कार्यों सहित विभिन्न कार्य करते हुए रोजगार उपलब्ध कराए जाए।

मुख्यमंत्री जी ने नगर विकास विभाग तथा ग्राम्य विकास विभाग को निर्देशित किया कि स्ट्रीट वेंडरों को रोजगार देने के सम्बन्ध में एक जनपद का चयन करते हुए उसका अध्ययन करें तथा स्ट्रीट वेंडरों को पी0एम0 पैकेज के साथ जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराने का एक मॉडल तैयार करें। उन्होंने कहा कि पटरी दुकानदारों के लिए प्रधानमंत्री जी के विशेष आर्थिक पैकेज में 10 हजार रुपए के ऋण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने प्रदेश के पटरी दुकानदारों को इस योजना का लाभ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटरी दुकानदारों के लिए ऐसे स्थान चयनित किए जाएं, जहां वे सुगमतापूर्वक अपना कारोबार कर सकें और यातायात भी अवरुद्ध न हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि कोई सड़क पर न सोए। प्रधानमंत्री जी के पैकेज में श्रमिकों एवं कामगारों के लिए किराए पर मकान उपलब्ध कराने हेतु भवन निर्माण की व्यवस्था है। श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस प्राविधान का भरपूर उपयोग किया जाए, ताकि श्रमिकों के

लिए किफायती किराए पर सुरक्षित एवं सुविधायुक्त आवास की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने कहा कि किफायती किराए पर आवास से बड़ी संख्या में श्रमिक/कामगार व शहरी गरीब लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कार्यरत अन्य राज्यों के श्रमिक यदि अपने गृह प्रदेश जाना चाहते हैं तो उनकी सकुशल वापसी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यदि ऐसे श्रमिक वापस जाने के इच्छुक न हों, तो उनका यह निर्णय लिखित रूप में प्राप्त कर लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी रेलवे स्टेशनों पर प्रशासन, पुलिस तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण अवश्य उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि उत्तर प्रदेश के नव निर्माण में प्रदेश में आए कामगारों/श्रमिकों का योगदान लिया जाए। इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी जनपदों में कामगारों/श्रमिकों को रोजगार सुलभ हो। इस पर केन्द्रित एक सॉफ्टवेयर विकसित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में विभिन्न सेक्टरों में इन कामगारों/श्रमिकों के लिए रोजगार की सम्भावनाएं चिन्हित की जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से जुड़े विभाग कामगारों/श्रमिकों के लिए रोजगार की उपलब्धता का आकलन करने के लिए एक कार्य योजना बनाएं।

मुख्यमंत्री जी ने मुख्य सचिव को निर्देशित किया कि वे उद्योग जगत तथा व्यापारी संगठनों से संवाद बनाकर कार्य करे। साथ ही, मण्डलायुक्तों तथा जिलाधिकारियों से नियमित संवाद स्थापित रखते हुए कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को सुचारु एवं सुदृढ़ बनाए रखें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निगरानी समितियों को निरन्तर सक्रिय रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोरोना संदिग्ध व्यक्ति को क्वारंटीन सेन्टर में रखें। कोरोना पॉजिटिव मरीज का उपचार कोविड अस्पताल में ही हो। उन्होंने डॉक्टरों सहित सभी चिकित्साकर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार जारी रखने निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए। अस्पतालों में साफ-सफाई के बेहतर प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाएं। मरीजों को समय पर दवा, शुद्ध एवं सुपाच्य भोजन के साथ-साथ पीने के लिए गुनगुना पानी उपलब्ध कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि डॉक्टर, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ नियमित राउण्ड लें। उन्होंने आगरा, मेरठ, अलीगढ़, कानपुर तथा फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेजों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री जी ने गौ-आश्रय स्थलों पर गौवंश के लिए सभी आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौ-आश्रय स्थलों में गायों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध कराया जाए। गर्मी तथा बरसात से बचाव के लिए समुचित प्रबन्ध किए जाएं। उन्होंने ग्रामीण तथा शहरी इलाकों में सेनिटाइजेशन के कार्य को लगातार किए जाने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री आर०के० तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री आलोक टण्डन, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व श्रीमती रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री संजीव मित्तल, पुलिस महानिदेशक श्री हितेश सी० अवस्थी, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री रजनीश दुबे, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री एस०पी० गोयल तथा श्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव एम०एस०एम०ई० श्री नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव कृषि श्री देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज श्री मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव आवास श्री दीपक कुमार, सचिव मुख्यमंत्री श्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक श्री शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।